ਰਾਜ ਵਿਦਿਅਕ ਖੋਜ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ, ਪੰਜਾਬ

ਪੀ.ਐਸ.ਈ.ਬੀ. ਕੰਪਲੈਕਸ, ਵਿੱਦਿਆ ਭਵਨ, ਬਲਾਕ-ਈ, ਛੇਵੀਂ ਮੰਜਿਲ, ਫੇਜ਼-8, ਐਸ.ਏ.ਐਸ.ਨਗਰ

ਈਮੇਲ: directorscert@punjabeducation.gov.in, ਫੋਨ ਨੰ: 0172-2212221

ਵੱਲ

(1) ਸਮੂਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫਸਰ (ਐ.ਸਿ/ਸੈ.ਸਿ.),ਪੰਜਾਬ।

(2) ਸਮੂਹ ਸਕੂਲ ਮੁੱਖੀ, ਪੰਜਾਬ।

ਮੀਮੋ ਨੰਬਰ: 278/AD(G&C) 2025 ਮਿਤੀ: 04.08.2025

ਵਿਸ਼ਾ: ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਅਵਿਸ਼ਕਾਰ ਸਪਤਾਹ (RAS) 2025-2026 ਅਧੀਨ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਕਰਵਾਉਣ ਸੰਬੰਧੀ।

ਹਵਾਲਾ- Department of Education in Science And Mathematics, NCERT ਦੇ ਪੱਤਰ ਨੰ.F. No. Prog. No. 3/PAB-RAS/2025-26/DESM/6595 ਮਿਤੀ 18.07.2025ਦੇ ਸਬੰਧ ਵਿੱਚ।

1.0 ਉਪਰੋਕਤ ਵਿਸ਼ੇ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ ਜੀ।

2.0 NCERT, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਵੱਲੋਂ ਹਰ ਸਾਲ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥੀਮ ਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਅਵਿਸ਼ਕਾਰ ਸਪਤਾਹ (RAS) ਮਨਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਸਾਲ 2025-26 ਦਾ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਅਵਿਸ਼ਕਾਰ ਸਪਤਾਹ ਥੀਮ "Promotion of Tree Plantation and water conservation" ਹੈ।

3.0 ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਅਵਿਸ਼ਕਾਰ ਸਪਤਾਹ ਦੇ ਪਹਿਲੇ ਪੜਾਅ ਦੌਰਾਨ ਰਾਜ ਦੇ ਸਾਰੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਸਕੂਲਾਂ ਦੇ ਮੁਖੀਆਂ, ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੁਆਰਾ ਆਪਣੇ ਸਕੂਲ ਅਤੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਵਿੱਚ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਰੁੱਖ ਲਗਾਏ ਜਾਣ ਜੋ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਭਰ ਦੀ ਹਰਿਆਲੀ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਕਦਮ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਹਨਾਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਚੱਲ ਰਹੇ 'EK Ped Maa ke naam 2.0' ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਹੀ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਣਾ ਹੈ।

4.0 ਰੁੱਖ ਲਗਾਉਣ ਦੀ ਮੁਹਿੰਮ ਲਈ NCERT, ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ ਦੁਆਰਾ ਜਾਰੀ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਅਤੇ ਹਿੰਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਪੱਤਰ ਨਾਲ ਨੱਥੀ ਹਨ। ਇਹ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ NCERT ਦੀ ਵੈੱਬਸਾਈਟ www.ncert.nic.in 'ਤੇ ਵੀ ਉਪਲਬਧ ਹੈ।

5.0 ਗਾਇਡਲਾਇਨਜ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਰੁੱਖ ਲਗਾਉਣ ਉਪਰੰਤ ਸਕੂਲਾਂ ਦੁਆਰਾ ਤਸਵੀਰਾਂ ਅਤੇ ਫੀਡਬੈਕ ਗੂਗਲ ਫਾਰਮ ਲਿੰਕ https://forms.gle/Zc1ud5ydHLksvaqYA ਤੇ ਭੇਜਣਾ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਗੂਗਲ ਫਾਰਮ ਤੇ ਅਪਲੋਡ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਤਸਵੀਰਾਂ ਲਈ ਇਸ ਦਫ਼ਤਰ ਦੇ ਪੱਤਰ ਨੰ. 192/G&C/2025 ਮਿਤੀ 10.02.2025 ਰਾਹੀਂ ਜਾਰੀ ਹਦਾਇਤਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

6.0 ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੀ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾਵਾਰ ਰਿਪੋਰਟ ਅਤੇ ਤਸਵੀਰਾਂ ਇਕੱਤਰ ਕਰਕੇ scertguidancecounselling@gmail.com ਤੇ ਵੀ ਭੇਜਣੀ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇ।

ਨੱਥੀ- ਹਵਾਲਾ ਪੱਤਰ।

ਕਿਰਨ ਸ਼ਰਮਾ, ਪੀ.ਸੀ.ਐੱਸ,
ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਐੱਸ.ਸੀ.ਈ.ਆਰ.ਟੀ., ਪੰਜਾਬ

ਪਿੱਠ ਅੰਕਣ ਨੰ: ਉਕਤ ਮਿਤੀ: 04.08.2025

ਉਪਰੋਕਤ ਦਾ ਉਤਾਰਾ ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਨੂੰ ਸੂਚਨਾ ਅਤੇ ਯੋਗ ਕਾਰਵਾਈ ਹਿੱਤ ਭੇਜਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ:

1. ਸਮੂਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ Environment Education Programme ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ।

ਸਹਾਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟਰ
ਐੱਸ.ਸੀ.ਈ.ਆਰ.ਟੀ., ਪੰਜਾਬ

Department of Education in Science and Mathematics
F. No. Program No.-3/PAB-RAS/2025-26/DESM/6595

Dated: July 18, 2025

Dr. Sunita Farkya
Professor & Head

Subject: Phase-I Guidelines of Rashtriya Avishkar Saptah 2025-26 on "Tree Plantation".

Sir/Madam,

NCERT has been conducting activities under a PAB (Programme Advisory Board) programme of Ministry of Education (MoE) entitled, **"Rashtriya Avishkar Saptah"** since 2018 under which students in schools perform uniform activities under a specific theme and report on an online platform developed by NCERT.

During the year 2024-25, the theme of RAS was **"Tree Plantation and Water Conservation"**. As per the recommendation by PAB (Programme Advisory Board) of MoE, activities under RAS 2025-26 would be conducted across the country on the same theme as **"Tree Plantation and Water Conservation"**. In addition, as per the instructions received from the Ministry of Education (MoE), on the call of the Hon'ble Prime Minister of India about ***"Ek Ped Maa Ke Naam 2.0"***, Phase-I activities across the schools of the country would be conducted also in line with the instructions given in the letter of MoE enclosed with the guidelines as **Annexure-'A'**.

All concerned are requested to take note of the guidelines and get the activities conducted accordingly. Also, the outcome of activities conducted may be reported through the Google Form developed by NCERT. The Google Form link for **"Tree Plantation"** activities is given below: ***https://forms.gle/Zc1ud5ydHLksvaqYA***

Yours Sincerely,

Farkya 18/07/2025

(Sunita Farkya)

1. For information and necessary action to all concerned in States and UTs {SCERT / Directorate of Education / Organization (KVS, NVS, CTSA, AECS etc.) and Schools}

2. Principal, Regional Institute of Education, Ajmer, Bhopal, Bhubaneswar and Mysore: For organizing RAS activities by the students of DM School.

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

एन सी ई आर टी
NCERT

NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग

फा. स. कार्यक्रम सं.-3/पीएबी-आरएएस/2025-26/डीईएसएम//6595

दिनांक: 18 जुलाई, 2025

डॉ. सुनीता फरक्या
प्रोफ़ेसर एवं विभागाध्यक्ष

विषय: "वृक्षारोपण" पर राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह 2025-26 के चरण-I दिशानिर्देश

महोदय/महोदया,

एनसीईआरटी द्वारा 2018 से शिक्षा मंत्रालय के पीएबी (कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड) कार्यक्रम के अंतर्गत **"राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह"** गतिविधि का आयोजन कर रहा है, जिसके तहत विद्यालय विशिष्ट विषय के अंतर्गत गतिविधियां करते हैं और एनसीईआरटी द्वारा विकसित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट करते हैं।

वर्ष 2024-25 के दौरान, **राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह** का विषय **"वृक्षारोपण और जल संरक्षण"** था। शिक्षा मंत्रालय के पीएबी (कार्यक्रम सलाहकार बोर्ड) की अनुशंसा के अनुसार, **राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह 2025-26** के अंतर्गत देश भर में **"वृक्षारोपण और जल संरक्षण"** विषय पर ही गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। इसके अतिरिक्त, माननीय प्रधानमंत्री जी के ***"एक पेड़ माँ के नाम 2.0"*** के आह्वान पर, शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, देश भर के विद्यालयों में चरण-I की गतिविधियाँ भी **अनुलग्नक-'अ'** में दिए गए दिशानिर्देशों के साथ संलग्न शिक्षा मंत्रालय के पत्र में दिए गए निर्देशों के अनुरूप आयोजित की जाएँगी।

सभी संबंधित से अनुरोध है कि वे दिशानिर्देशों के अनुसार गतिविधियाँ संचालित करें। साथ ही, आयोजित गतिविधियों के परिणामों की सूचना एनसीईआरटी द्वारा विकसित गूगल फॉर्म के माध्यम से भी दी जा सकती है। **"वृक्षारोपण"** गतिविधियों के लिए गूगल फ़ॉर्म लिंक नीचे साझा किया गया है:

https://forms.gle/Zc1ud5ydHLksvaqYA

भवदीय,

(सुनीता फरक्या) 18/07/2025

1. राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों {एससीईआरटी / शिक्षा निदेशालय /संगठन (केवीएस, एनवीएस, सीटीएसए, एईसीएस आदि) और स्कूलों) के सभी संबंधितों की जानकारी एवं आवश्यक कारवाई हेतु।}
2. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर एवं मैसूर: डी एम स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा आर ए एस की गतिविधियाँ आयोजित कराये जाने हेतु।

राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह २०२५-२६

वृक्षारोपण अभियान

दिशानिर्देश

परिचय

वृक्षारोपण पर्यावरण की रक्षा और स्थिरता को बनाए रखने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण गतिविधि है। पेड़ न केवल पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं, बल्कि वायु की गुणवत्ता सुधारने और वन्य जीवों को आश्रय प्रदान करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। यह कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वायुमंडल में प्राणवायु ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जो सभी जीवों के लिए आवश्यक है। पेड़ मिट्टी का क्षरण रोकने के अतिरिक्त जल संरक्षण के साथ जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में सहायक होता हैं।

वृक्षारोपण बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए भी अत्यंत लाभकारी है, जिससे उनमें पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। इस अभियान में *मिशन लाइफ* के अंतर्गत इको क्लबों के सहयोग से देशभर के विद्यालयों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाना प्रस्तावित हुआ हैं। इस अभियान में विद्यार्थी भाग लेकर यह जान पाएंगे कि पेड़ पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने, कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को कम करने और ऑक्सीजन का निर्माण करने में कितने आवश्यक हैं। साथ ही, विद्यार्थी जैव-विविधता को बढ़ावा देने वाले कारकों को भी समझ सकेंगे। यह एक व्यावहारिक अनुभव होगा, जो जीवविज्ञान और पारिस्थितिकी के प्रति उनकी समझ को अधिक प्रभावी और स्थायी बनाएगा। विद्यार्थी जब स्वयं पौधों की देखभाल करते हैं, तो उनमें उत्तरदायित्व की भावना जागृत होती है और जीवों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ती है। वृक्षारोपण जैसी गतिविधियाँ न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारती हैं, बल्कि मानसिक शांति और आत्मसंतोष की भावना भी प्रदान करती हैं। यह कार्य समूह में सहयोग, सामूहिकता और एकता की भावना को भी प्रोत्साहित करते है। विद्यार्थियों द्वारा लगाया गया प्रत्येक पौधा भविष्य के लिए एक जीवंत प्रतीक हो जाता है, जो यह संदेश देता है कि उनका छोटा प्रयास भी समाज में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन ला सकता है। राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह (RAS) में वृक्षारोपण को विशेष स्थान दिया गया है जिससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक अनुभव को और समृद्ध किया जा सके और वे पर्यावरण के प्रति सचेत और उत्तरदायित्व पूर्ण नागरिक बन सकें।

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा आरंभ किए गए अभियान ***'एक पेड़ माँ के नाम 2.0/प्लांट 4 मदर'*** के अनुरूप, RAS 2025-26 के प्रथम चरण का विषय भी यही रखा गया है। प्रधानमंत्री जी का अभियान के माध्यम से देशवासियों से आग्रह हैं कि वे सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण हेतु एकजुट होकर कार्य करें। इस अभियान के अंतर्गत अब तक देशभर में 52 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं, जो एक महत्वपूर्ण

उपलब्धि है। यह अभियान जैसे मनरेगा, जल शक्ति अभियान, स्वच्छ भारत मिशन और राष्ट्रीय हरित राजमार्ग मिशन जैसे अन्य प्रमुख कार्यक्रमों से भी जोड़ा जा सकता है। राष्ट्रीय आविष्कार सप्ताह 2025-26 के तहत वृक्षारोपण और जल संरक्षण को बढ़ावा देने वाली विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित किया जाना प्रस्तावित हैं। यह दिशानिर्देश पहले चरण में विद्यालय स्तर पर होने वाली वृक्षारोपण गतिविधियों से संबंधित है। दूसरे चरण में भी पिछले वर्ष 2024-25 की तरह ही **जल संरक्षण** को ही सम्बंधित रहेगी।

स्थानीय पेड़ों का रोपण न केवल पर्यावरण की दृष्टि से बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक है। स्थानीय पेड़ क्षेत्रीय जलवायु, मिट्टी और पारिस्थितिकी के अनुकूल होते हैं, जिससे इनकी वृद्धि सुचारू और दीर्घकालिक होती है। स्थानीय पेड़ देशी वन्य जीवों को खाद्य और आश्रय प्रदान करते हैं और जैव विविधता को सुदृढ़ करते हैं। साथ ही ये क्षेत्रीय वनस्पतियों की आनुवंशिक विशेषताओं और अनुकूलन क्षमता को बनाए रखते हैं। स्थानीय प्रजातियाँ सामान्यतः रोगों और कीटों के प्रति अधिक प्रतिरोधी होती हैं, जिससे रसायनों का प्रयोग कम होता है और वातावरण स्वच्छ बना रहता है। ये पेड़ मिट्टी को मजबूती प्रदान करते हैं, प्राकृतिक रूप से पत्तियों और जैविक पदार्थों से उसकी उर्वरता बनाए रखते हैं और कटाव से रक्षा करते हैं। साथ ही, इनकी देखरेख में कम संसाधनों की आवश्यकता होती है, जिससे ये शहरी और ग्रामीण विकास दोनों में किफायती और प्रभावशाली सिद्ध होते हैं। स्थानीय प्रजातियों के वृक्षारोपण से बच्चों और समुदाय का पर्यावरण से जुड़ाव भी गहरा होता है। यह न केवल विद्यार्थियों को अपने आसपास के वातावरण के बारे में जानने और उसकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करता हैं, तथा उनमें गर्व और नेतृत्व की भावना उत्पन्न करता हैं। सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से यह अभियान स्थानीय पारिस्थितिकी के संरक्षण और जनजागरूकता की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो सकता है।

वृक्षारोपण के चरण

एक वृक्ष लगाने में उसके वृद्धि विकास और दीर्घकालिक अस्तित्व को सुनिश्चित करने के लिए अनेक चरण सम्मिलित होते हैं। इस संबंध में, **शिक्षा मंत्रालय** के **"एक पेड़ माँ के नाम"** दस्तावेज़ में वृक्षारोपण के लिए निर्देशों का भी विस्तार से वर्णन किया गया है। इसके दस्तावेज़ में तीनों चरण में कार्यान्वयन इस प्रकार है:

चरण 1: प्रारंभिक चरण (01.05.2025 - 04.06.2025)

- वृक्षारोपण अभियान (शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में) के लिए जिला स्तर पर डीएम/डीसी/डीइओ/डीएफओ/पीआरआई/युएलबी/विद्यालय प्रधानाचार्य/एसएमसी और

नागरिक समाज के प्रमुख सदस्यों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का गठन, जो अभियान के समग्र समन्वय और निगरानी के लिए होंगी।

- सुचारू और प्रभावी समन्वय के लिए एक राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। जिला स्तर पर, जिला शिक्षा अधिकारी संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करेंगे।
- विद्यालय स्तर पर वृक्षारोपण के लिए आवश्यक पौधों की संख्या का व्यापक विश्लेषण। यह ब्लॉक/जिला स्तर पर संकलित किया जाएगा। (लगभग 10 करोड़ पौधों की आवश्यकता है)।
- नर्सरी का मानचित्रण, स्थानीय कृषि-जलवायु परिस्थितियों और पारिस्थितिक लाभों के आधार पर फलदार, पुष्प और औषधीय पौधों का चयन। डीएफओ/आरडीडी/बागवानी विभाग आदि के परामर्श से डीईओ द्वारा प्रत्येक राज्य/केंद्र शासित प्रदेश द्वारा आवश्यक पौधों की उपलब्धता का आकलन। **(राज्यवार कृषि-जलवायु पौधों की प्रजातियाँ लगाई जा सकती हैं)**।
- डीएफओ/पीआरआई/यूएलबी के परामर्श से डीईओ द्वारा वृक्षारोपण स्थल की पहचान। उदाहरण: विद्यालय परिसर, विद्यालयों की ओर जाने वाली सड़कें, घर, सार्वजनिक स्थान, जैसे अमृत सरोवर के आसपास का स्थान।
- भविष्य के अभियानों के लिए एनवीएस/केवीएस और राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के अन्य भूमि-आधारित विद्यालयों में नर्सरी का विकास। यह गतिविधि "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के साथ एक वर्ष और उसके बाद भी जारी रहेगी।
- विभाग द्वारा विद्यालयों में आगे प्रसार हेतु "एक पेड़ माँ के नाम" पर आयु-उपयुक्त मॉड्यूल साझा किए जा रहे हैं और साथ ही "एक पेड़ माँ के नाम" पर एक एनिमेटेड वीडियो और पर्यावरण पर एक प्रश्नोत्तरी भी उपलब्ध कराई जा रही है। यह मॉड्यूल पर्यावरणीय स्थिरता, पौधों की प्रजातियों, वृक्षारोपण के बाद देखभाल और जीवन रक्षा आदि के महत्व की जानकारी प्रदान करेगा।

चरण 2: कार्यान्वयन चरण (05.06.2025 से 30.09.2025)

- डीएफओ सुबह की सभाओं के दौरान माध्यमिक विद्यालयों का दौरा करेंगे और पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संकट से निपटने और वृक्षारोपण के महत्व पर ज़ोर देते हुए वार्ता/सत्र आयोजित करेंगे।
- विद्यार्थियों और उनकी माताओं द्वारा मिलकर पौधे लगाए जाएँगे। इससे विद्यार्थियों और उनकी माँ तथा धरती माता के बीच का सम्बन्ध और प्रगाढ़ होगा।
- पौधारोपण के साथ एक तख्ती भी होगी, जिस पर विद्यार्थी और उनकी माँ का नाम लिखा हो।
- विद्यार्थियों को *मिशन लाइफ* के लिए इको क्लब्स पर होस्ट की गई माइक्रो-साइट पर वृक्षारोपण गतिविधि की सेल्फी अपलोड करनी होगी। (विवरण जल्द ही साझा किया जाएगा)।

- वनस्पति ज्ञान के प्रसार हेतु डिजिटल विशेषज्ञता उत्पन्न करने हेतु लगाए गए प्रत्येक वृक्ष प्रजाति के लिए एक **क्यूआर कोड** तैयार किया जा सकता है।
- व्यापक भागीदारी और जागरूकता को प्रोत्साहित करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/आवासीय निकायों/विभागों आदि के डिजिटल/सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अभियान का प्रचार-प्रसार करेंगे।

चरण 3: वृक्षारोपणोत्तर चरण

- *मिशन लाइफ* के लिए इको क्लबों के प्रभारी शिक्षक के पर्यवेक्षण/मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा लगाए गए पौधों की देखभाल और पोषण किया जाएगा।
- लगाए गए पौधों के जीवित रहने का आकलन करने के लिए वन विभाग के अधिकारियों और जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपणोत्तर सर्वेक्षण किया जाएगा।

"एक पेड़ माँ के नाम" का पूरा विवरण अनुलग्नक-अ में दिया गया है।

सरकार द्वारा उक्त वृक्षारोपण अभियान में योगदान देने के आह्वान को ध्यान में रखते हुए, सभी से इसमें भाग लेने की अपेक्षा की जाती है। इस अभियान में भाग लेने के इच्छुक विद्यालयों से अपेक्षा की जाती है कि वे तैयारी और कार्यान्वयन के लिए जिला स्तर के अधिकारियों के संपर्क में रहें।

वास्तविक वृक्षारोपण प्रक्रिया के लिए नीचे दिए गए प्रमुख चरण इस प्रकार हैं:

1. **सही पौधे का चयन**: स्थानीय जलवायु, मिट्टी और पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुकूल वृक्ष प्रजाति चुनें। देशी या स्थानीय वृक्ष प्रजातियाँ प्रायः सबसे अच्छा विकल्प होती हैं। अपने क्षेत्र में कौन से पेड़ सबसे अच्छे उगते हैं, यह जानने के लिए शिक्षकों और बड़ों से बात करें। आप स्थानीय वन विभाग के अधिकारियों या अपने आस-पास के इलाके की नर्सरी से भी संपर्क कर सकते हैं। विद्यालयों से अपेक्षा की जाती है कि वे इस तरह के परामर्श की सुविधा प्रदान करें। आप सागौन, इमली, पीपल या बरगद के पौधे चुन सकते हैं और गुलाब, गुड़हल, चमेली, केले आदि जैसे पौधे न लगाए। विद्यार्थियों को स्थानीय नाम और पौधे का वानस्पतिक नाम पता करना चाहिए; इसकी सूचना गूगल फॉर्म में दी जाएगी। हालाँकि, ऊपर दिए गए पेड़ों के नाम केवल सुझावात्मक हैं। विद्यार्थी क्षेत्र में स्थानीय आवास के रूप में पेड़ों का चयन कर सकते हैं।
2. **रोपे जाने वाले पौधों की संख्या**: विद्यालय परिसर या आस-पास कम से कम 10 से 15 पौधे लगाएँ, जहाँ विद्यार्थी उनकी देखभाल कर सकें।

3. **रोपण स्थल का चयन:** अपने शिक्षक की सहायता से अपने विद्यालय/पड़ोस में पौधे लगाने के लिए अच्छी मिट्टी की गुणवत्ता वाले उपयुक्त स्थान की पहचान करें। सुनिश्चित करें कि किनारों पर पर्याप्त जगह हो ताकि पौधा बिना किसी इमारत, बिजली के तार अथवा अन्य पेड़ों के अवरोध के अपने परिपूर्ण आकार ले सके। चुनी गई वृक्ष प्रजाति के अनुरूप मिट्टी की गुणवत्ता और जल निकासी की जाँच करें। यदि वर्तमान स्थल की मिट्टी की स्थिति खराब है, जैसे कि बंजर भूमि के रूप में वर्गीकृत, तो बंजर या ऊसर भूमि सुधारात्मक कार्रवाई आवश्यक है। एक बड़ा रोपण गड्ढा खोदा जाना चाहिए और उसे बाहरी, अधिक उपयुक्त स्थान से प्राप्त उपजाऊ मिट्टी से भरना चाहिए। इससे वृक्षों के विकास और स्वास्थ्य के लिए अधिक उपयुक्त वातावरण प्रदान होगा।
4. **मिट्टी की तैयारी:** रोपण क्षेत्र से खरपतवार, घास और मलबे को साफ़ करें। पौधों की जड़ों को स्थापित करने में मदद करने के लिए कम से कम 12 इंच की गहराई तक मिट्टी चुनें। यदि आवश्यक हो, तो मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए खाद या जैविक पदार्थ मिलाएँ। इस की एक तस्वीर लें।
5. **गड्ढा खोदें:** एक गड्ढा खोदें जो 2 या 3 गुना चौड़ा हो पौधों की जड़ों के समूह से और उतना ही गहरा हो। सुनिश्चित करें कि कोई अभिवावक/संरक्षक इस गतिविधि की निगरानी करे और गूगल फ़ॉर्म पर अपलोड करने के लिए प्रत्येक चरण की एक तस्वीर ले।
6. **पौधे को उसके पात्र से निकालना:** अगर उसमें कोई कंटेनर या प्लास्टिक रैप है, तो उसे धीरे से निकालें। अगर जड़ें कसकर बंधी हुई हैं, तो उन्हें बाहर की ओर बढ़ने में मदद करने के लिए सावधानी से चुनें।
7. **पौधे को गड्ढे में रखें:** पौधे को गड्ढे के बीच में सावधानी से रखें। जलभराव को रोकने के लिए सुनिश्चित करें कि जड़ का शीर्ष मिट्टी के साथ समतल या थोड़ा ऊपर हो। इस चरण की तस्वीरें लें।
8. **गड्ढे को वापस भरना**: गड्ढे को मिट्टी से भरें। जड़ों के आसपास मिट्टी जमाने के बाद मिट्टी की क्या स्थिति हैं। इस चरण को पूरा करने के बाद एक तस्वीर लें।
9. **पौधों को पानी देना:** क्या पौधारोपण के बाद उचित रूप से पानी दिया जाता है? इससे मिट्टी जम जाती है और जड़ों को आवश्यक नमी मिलती है।
10. **पौधे के चारों ओर गीली घास बिछाएँ:** पौधे के चारों ओर, ड्रिप लाइन तक, गीली घास (सूखे पत्ते, पुआल आदि) की एक परत बिछाएँ। गीली घास नमी बनाए रखने, मिट्टी के तापमान को नियंत्रित करने और खरपतवारों को नियंत्रित करने में मदद करता है। पौधे को गलने से रोकने के लिए गीली घास को पौधे से कुछ इंच की दूर रखें।
11. **पौधे को चरने से बचाना**: यदि आपने पौधे को चरने वाले जानवरों की पहुँच में जगह पर लगाया है, तो सुनिश्चित करें कि पौधे के चारों ओर पर्यावरण-अनुकूल टहनियाँ, बाँस की छड़ें आदि लगाकर उसे सुरक्षित रखा जाए। यह चरण पूरा करने के बाद, पौधे की तस्वीर लें।

12. **विद्यार्थी हर रोज़ पौधों के साथ थोड़ा समय बिता सकते हैं: उन्हें देखने, महसूस करने और समझने के लिए।** निश्चित रूप से, ये हमें कुछ न कुछ ज़रूर बताते हैं। एक संरक्षक के रूप में, यह हमारा विनम्र कर्तव्य है कि हम उनकी खामोशी को आवाज़ दें, उनकी शांत और धीमी आवाज को हृदय की अभिव्यक्ति में व्यक्त करें। चाहे वह कोई कविता, छंद, नारा, गीत, पेंटिंग या रचनात्मक रूप हो जो हमारी आत्मा से बात करता हो। आइए, इस पौधे को अपनी रचना से सजाएँ और इस जीवंत कलाकृति की जीपीएस-टैग वाली तस्वीरें हमारे साथ साझा करें।
13. **आवश्यकता पड़ने पर पौधे को सहारा देना**: अगर पौधा हवादार जगह पर है या उसका तना कमज़ोर है, तो उसे सहारा देने के लिए मुलायम रस्सी का इस्तेमाल करें, जिससे तने के मज़बूत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ गति सके।
14. **नियमित रूप से पानी देना:** सुनिश्चित करें कि पौधे को शुरुआती कुछ वर्षों तक, जब तक कि उसकी जड़ें विकसित न हो जाएँ, नियमित रूप से पानी मिलता रहे।
15. **निगरानी और रखरखाव:** पौधे के स्वास्थ्य और वृद्धि पर निगरानी रखें। मृत या क्षतिग्रस्त शाखाओं को हटा दें और कीटों या बीमारियों के लक्षणों पर निगरानी रखें। ज़रूरत के अनुसार पानी देते रहें। पेड़ की वृद्धि होने पर हर सप्ताह पेड़ की तस्वीर लें।

निम्नलिखित कदम आपके पौधे को परिदृश्य के एक स्वस्थ और फलते-फूलते हिस्से के रूप में विकसित होने में सहायता करेंगे। हर कदम पर पेड़ की तस्वीरें लेना सुनिश्चित करें।

रोपण करते समय बरती जाने वाली सावधानियां:

1. **उचित कपड़े पहनना:** कांटों और कीड़ों से बचाव के लिए लंबी बाजूएँ और मज़बूत जूते पहनें।
2. **एलर्जी से सावधान रहना:** अगर आपको पौधों या कीड़ों से एलर्जी है, तो कुछ आवश्यक सावधानियां बरतें, जैसे कि कीट विकर्षक का इस्तेमाल करें या सुरक्षात्मक कपड़े पहनें।
3. **वन्यजीवों का सम्मान करना:** पौधारोपण के दौरान आने वाले किसी भी वन्यजीव के प्रति सचेत रहें और उनका सम्मान करें।
4. **देखरेख की व्यवस्था करना:** यदि आप वृक्षारोपण के किसी भी पहलू को लेकर अनिश्चित हैं, तो सुरक्षा और उचित तकनीकों को सुनिश्चित करने के लिए अपने शिक्षक या किसी अनुभवी व्यक्ति से मार्गदर्शन लें।
5. **ज़रूरत से ज़्यादा पानी देने से बचना:** जलभराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें, क्योंकि इससे जड़ें गल सकती है।
6. **जड़ों को सावधानी से संभालना**: जड़ों को नुकसान पहुँचाने से बचाने के लिए उन्हें हल्के से थपथपाएँ, क्योंकि स्वस्थ जड़ें पेड़ के अस्तित्व के लिए ज़रूरी हैं।

7. **बहुत गहराई में पौधे लगाने से बचना**: पेड़ को उचित गहराई पर लगाएँ ताकि जड़ों का कॉलर ज़मीन से थोड़ा ऊपर रहे, क्योंकि बहुत गहराई में पौधे लगाने से जड़ें सड़ सकती हैं।
8. **वन्यजीवों से सुरक्षा:** छोटे पौधों को गाय, बकरी, खरगोश आदि जैसे चरने वाले जानवरों से बचाने के लिए ट्री गार्ड या बाड़ का उपयोग करें।
9. **खाद/उर्वरकों का उपयोग:** बच्चों को रासायनिक उर्वरकों के बजाय खाद या कम्पोस्ट का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, क्योंकि ये प्राकृतिक हैं और रासायनिक उर्वरक पेड़ों और आसपास के पर्यावरण को नुकसान पहुँचा सकते हैं।
10. **विकास पर नज़र रखना**: तनाव, बीमारी या कीट संक्रमण के संकेतों के लिए पेड़ का नियमित रूप से निरीक्षण करें ताकिं तुरंत उचित कार्रवाई की जा सके।
11. **अच्छी स्वच्छता का पालन करना**

    मिट्टी या पौधों को छूने के बाद किसी भी संभावित दूषित पदार्थों को हटाने के लिए अपने हाथों को अच्छी तरह धोएँ।

गूगल फॉर्म भरने की प्रक्रिया

गल फॉर्म भरना बहुत सरल है। गूगल फॉर्म को भरने के लिए गूगल (जी.मेल) खाता होना आवश्यक है

1. गूगल खाता खोलने के पश्चात, आप किसी भी ब्राउज़र को खोल कर निम्नलिखित URL को लिखे: https://forms.gle/Zc1ud5ydHLksvaqYA
2. मुख्य पृष्ठ पर फॉर्म भरें पर क्लिक करें।
3. यह आपको खंड 1 पर ले जाएगा जहां आपको आगे बढ़ने के लिए जीमेल आईडी (Gmail ID), नाम और कक्षा दर्ज करने की आवश्यकता है

Data Submission Form - RAS 2025
डाटा प्रस्तुति फॉर्म

The name and photo associated with your Google account will be recorded when you upload files and submit this form. Your email is not a part of your response.

desmncertras2025@gmail.com

Instructions| निर्देश

Click on the following link and go through the PDF carefully before proceeding further | आगे बढ़ने से पहले, नीचे दिये लिंक पर क्लिक करें तथा PDF को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

Guideline

Help | सहायता

Checkout announcement section on ncert.nic.in for all the updates regarding RAS 2025

For any assistance/help, kindly email us at desmncertras2025@gmail.com | RAS 2025 के बारे में अधिक जानकारी के लिए ncert.nic.in पर घोषणा अनुभाग देखें। किसी भी तरह की सहायता के लिए हमें desmncertras2025@gmail.com पर ई-मेल करें।

The name, email, and photo associated with your Google account will be recorded when you upload files and submit this form

* Indicates required question

Poster of Tree Plantation Drive for ***Rashtriya Avishkar Saptah 2025-26***

E-mail *

Your answer

Name of the Student *

Your answer

Class of the Student *

Choose

Next

Clear form

4. Next बटन पर क्लिक करने के पश्चात् आपको फॉर्म के खंड 2 पर पहुँच जाएँगे, जहां आप अपने राज्य, जिला और विद्यालय का विवरण जैसे विद्यालय का नाम, पता आदि को भर सकते हैं।

School Details | विद्यालय विवरण

State/Union Territory | राज्य/केंद्र शासित प्रदेश *

Choose

City / शहर *

Your answer

Name of District | जिला का नाम *

Choose

Block/Town/Sector, Where School is located| ब्लॉक/शहर/सेक्टर, जहाँ स्कूल स्थित है। *

Your answer

Select the type of your school ?/अपने विद्यालय का प्रकार चुनें? *

Choose

Name of School | विद्यालय का नाम *

Your answer

UDISE Code | यूडाइस कोड *

Your answer

Is your school a PM Shri school? / क्या आपका विद्यालय पी.एम. श्री स्कूल है? *

- ◯ Yes
- ◯ No
- ◯ I don't know

PIN Code | पिन कोड *

Your answer

Locality of School (Urban/Semi-urban/Rural) | विद्यालय का स्थान (शहरी/अर्ध-शहरी/ग्रामीण) *

- ◯ Rural | ग्रामीण
- ◯ Semi-urban | अर्ध-शहरी
- ◯ Urban | शहरी

Name of Principal of School /Head of School | विद्यालय के प्रधानाध्यापक/ संचालक का नाम *

Your answer

Name of Teacher(s) involved in guiding the activities | क्रियाकलापों के समय मार्गदर्शन करने वाले अध्यापक/ अध्यापकों का नाम *

Your answer

Designation of Teacher(s) involved in guiding the activities | क्रियाकलापों के समय मार्गदर्शन करने वाले अध्यापक/अध्यापकों का पद *

Your answer

Back Next Clear form

5. Next बटन पर क्लिक करे के पश्चात्, आप फॉर्म के खंड 3 पर पहुँच जाएँगे। इस पृष्ठ में आपको क्रियाकलाप के लिए डेटा भरना होगा।.

Activity/गतिविधि

Select the 1st sapling for tree plantation/ वृक्षारोपण के लिए पहला पौधा चुनें *

Choose ▾

Activity / गतिविधि

Select the 2nd sapling for tree plantation/वृक्षारोपण के लिए दूसरा पौधा चुनें *

Choose ▾

Activity/गतिविधि

Select the 3rd sapling for tree plantation/वृक्षारोपण के लिए तीसरा पौधा चुनें *

Choose ▾

Back Next Clear form

Activity/गतिविधि

Was the soil prepared for sapling of tree plantation ?/क्या वृक्षारोपण के लिए मिट्टी तैयार की गई थी? *

- [ ] Yes
- [ ] No

What was the source of collection of saplings for the tree plantation?/वृक्षारोपण के लिए पौधे एकत्र करने का स्रोत क्या था? *

- ◯ Forest Department/वन विभाग
- ◯ Local nursery /स्थानीय पौधशाला
- ◯ Neighbourhood/आसपास
- ◯ Nearby forest/निकटवर्ती वन
- ◯ Others/अन्य

What was the area selected for tree plantation?/वृक्षारोपण के लिए कौन सा क्षेत्र चुना गया? *

- ◯ School premises/विद्यालय परिसर
- ◯ Neighbourhood/आसपास
- ◯ Public Place/सार्वजनिक स्थान
- ◯ Other:

To whom in your family, you would like to dedicate this plantation?/आप अपने परिवार में किसको यह पौधारोपण समर्पित करना चाहेंगे? *

- ◯ Grand Mother / Mother
- ◯ Grand Father / Father
- ◯ Other:

Photograph of sapling plantation along with student's (Note: Use GPS-tagged Photo)/विद्यार्थी के साथ पौधारोपण की तस्वीर (नोट: जीपीएस-टैग फोटो का उपयोग करें) *

Upload 1 supported file: image. Max 1 MB

Add file

Back Submit Clear form

6. इसके पश्चात् (Submit) बटन पर क्लिक करके आप अपना फॉर्म जमा कर सकते हैं।

नोट: अंतिम बार फॉर्म जमा करने से पहले आप बैक (Back) बटन पर क्लिक करके फिर से अपनी प्रतिक्रियाओं की जांच कर सकते हैं। फॉर्म को अंतिम बार जमा करने के पश्चात् कोई बदलाव नहीं किया जा सकता।

Data Submission Form - RAS 2025
डाटा प्रस्तुति फॉर्म

Your response has been recorded.

Submit another response

7. सबमिट करने के पश्चात्, एक संदेश प्राप्त होगा "आपका जवाब रिकॉर्ड कर लिया गया है"।
8. इसके पश्चात्, आप अपने वेब ब्राउज़र की विंडो/ टैब को बंद कर सकते हैं।

RASHTRIYA AVISHKAR SAPTAH RAS-2025-26

TREE PLANTATION DRIVE

GUIDELINES

Introduction

Tree plantation is one of the most vital activities for the sustainability of the environment. Trees play a crucial role in maintaining ecological balance, improving air quality, and providing habitats for wildlife. These act as a natural air filter, acting as sink of carbon dioxide and releasing the vital gas oxygen, which is essential for all living beings on Earth. Additionally, trees help prevent soil erosion, conserve water, and mitigate the effects of climate change.

Tree plantation is also significant from the point of view of the overall development of children as responsible citizens with sensitivity to the environment. Tree plantation drive under the campaign is scheduled to be implemented by the schools across the country under the aegis of Eco Clubs for Mission LiFE. Engaging in tree planting would create environmental awareness regarding its vital role in maintaining ecological balance, absorbing carbon dioxide, and producing oxygen, besides supporting biodiversity. It will also provide hands-on experience, allowing children to gain practical knowledge about biology and ecology in a memorable way. Caring for newly planted saplings instils a sense of responsibility and encourages a greater appreciation for nurturing living things. Additionally, outdoor activities such as tree planting promote physical health and enhance mental well-being by reducing stress and providing a sense of accomplishment. Each activity also builds teamwork and collaboration skills, fostering a sense of community feeling among students. The tree planted by children serves as a living legacy, reinforcing the idea that their action can make a long-lasting and positive impact on society. The RAS incorporates tree planting into school activities, enriches students' educational experiences, and helps them grow into environmentally conscious and responsible individuals.

Further in alignment with the call of the Hon'ble Prime Minister's to emphasise tree plantation in the mother's name **"Ek Ped Maa Ke Naam 2.0/ Plant4Mother"** this year also, the theme for Rashtriya Avishkar Saptah will be 'Ek Ped Maa Ke Naam' 2.0 in the first phase of RAS 2025-26. In his call for the campaign, Hon'ble Prime Minister urged everyone to contribute to a better planet and sustainable development through initiative. The country has achieved a milestone in tree plantation under the 'Ek Ped Maa Ke Naam' campaign, and informed that over 52 crore saplings have been planted across India. The proposed campaign can also align with key national programme such as MGNREGA, Jal Shakti Abhiyan, Swachh Bharat Mission, and National Green Highways Mission. Rashtriya Avishkar Saptah encompasses activities focused on promoting tree plantation and water conservation. The following guidelines pertain to the tree plantation activity in the first phase by the school students. As far as the Guidelines for the second phase of RAS 2025-26 is

concerned it will again be on the same theme as it was there in 2024-25 i.e., **Water Conservation.**

Planting local trees is important to both the environment and the community. Local tree species are well adapted to the regional climate, soil, and ecosystem, which ensures their healthy growth and sustainability. These provide essential habitat and food sources for native wildlife, promoting biodiversity and sustaining the balance of local ecosystems. It also preserves the area's genetic heritage by planting local trees and maintaining the indigenous plant species' unique characteristics and resilience. Local trees are typically more resistant to pests and diseases, reducing chemical fertilizer use and promoting a healthier environment. They contribute to the stability of the soil, preventing erosion and maintaining soil fertility through natural leaf litter and organic matter. Additionally, local trees often require less maintenance, making them more efficient and cost-effective for urban, rural, and spectacular landscaping projects. Furthermore, planting local trees fosters community and connection to the land. It encourages students to learn and appreciate their surroundings, instilling a sense of pride and stewardship. This community involvement may increase environmental awareness and collective effort to protect and preserve the local system.

Steps For Tree Plantation

Planting a tree involves several steps to ensure its healthy growth and long-term survival. In this regard, the directives for the purpose of tree plantation have also been detailed in the document of **Ministry of Education** on ***"Ek Ped Maa Ke Naam"***. In this document, the implementation strategy in three phases are as follows:

Phase 1: Preparatory Phase (01.05.2025 — 04.06.2025)

- Formation of District-level committees headed by DM/DC for the plantation drive (in urban and rural areas) comprising DEOs/DFOs/PRIs/ULBs/School Principals/SMCs/prominent members of the Civil Society for overall coordination and monitoring of the campaign.

- A state-level Nodal Officer is to be appointed to facilitate smooth and effective coordination. At the District level, DEO serves as the single point of contact.

- Comprehensive analysis of the number of seedlings required for plantation at the school level. To be compiled at Block /District levels. (Approx. 10 crore saplings required).

- Mapping of nurseries, selection of fruit-bearing, floral and medicinal seedlings based on local agro-climatic conditions and ecological benefits. Assessment of the availability of seedlings required by each State/UT by DEOs in consultation with DFOs/RDD/Horticulture Department etc. **(State-wise agro-climatic plant species may be planted).**

- Identification of plantation venue by DEOs in consultation with DFOs/PRIs/ULBs. Eg: school campus, roads leading to schools, homes, public spaces, e.g. space around Amrit Sarovars.

- Development of nurseries in NVS/KVS and other landed schools of the State/UT Governments for future campaigns. This activity to go on alongside the "Ek Ped Maa Ke Naam" campaign for one year and thereafter.

- Sharing age-appropriate modules on "Ek Ped Maa Ke Naam" by the Department for further circulation to schools, along with an animated video on "Ek Ped Maa Ke Naam" and a quiz on the environment. This module will provide insights into the importance of environmental sustainability, plant species, post-plantation care and survival etc.

Phase 2: Implementation Phase (05.06.2025 to 30.09.2025)

- DFOs to visit secondary schools during morning assemblies for talks/sessions, emphasizing the significance of environmental conservation, addressing the climate crisis, and importance of tree plantation.

- Saplings to be planted collaboratively by students and their mothers. This will strengthen the bond between student and both their mother and Mother Earth.

- Saplings planted to be accompanied by a placard displaying the name of the student and their mother.

- Students to upload selfies of the tree plantation activity on micro-site hosted on Eco Clubs for Mission LiFE. (Details will be shared soon).

- A QR code may be generated for every separate species of tree planted to generate digital expertise for dissemination of botanical knowledge.

- Amplification of the campaign through digital/social media platforms of States/UT's/ABs/Departments etc. to encourage wider participation and awareness.

Phase 3: Post-Plantation Phase

- Saplings planted to be taken care of and nurtured by students under the supervision/guidance of teacher in-charge of Eco Clubs for Mission LiFE.

- Post-plantation survey by DFOs and DEOs to assess the survival of the saplings planted.

Entire detail of the "***Ek Ped Maa Ke Naam***" can also be seen in **Annexure-A**.

Considering the call of the government to contribute in the said tree plantation drive all are expected to be a part of the same. Schools willing to participate in the drive are expected to be in touch of the district level officials for preparation and implementation.

For the actual tree plantation procedure here are the key steps given below:

1. **Select the right sapling**: Choose a tree species suited to the local climate, soil, and environmental conditions. Native or local tree species are often the best choice. Talk to teachers and elders to know which trees grows best in your area. You may also contact the local forest department officials or a nursery in your nearby locality. Schools are expected to facilitate such consultation. You can select teak, tamarind, peepal, or banyan plants and avoid planting shrubs such as roses, hibiscus, jasmine, banana plants, etc. Students should explore the local name and the sapling's botanical name; the same may be reported in the Google form. However, the names of the trees given above are suggestive. Students may choose trees as a local habitat in the area.

2. **Number of saplings to be planted**: Plant at least 10 to 15 saplings on the school campus or nearby, where students can take care of them.

3. **Choose the planting site**: Identify a suitable location with good soil quality for planting the settlement in your school/neighbourhood with the help of your teacher. Ensure the sides have enough space for the sapling to grow to its mature size without obstruction from buildings, power lines or other trees. Check the soil quality and drainage to suit the chosen tree species. Banjar or usar bhoomi remedial action is required if the current site exhibits poor soil conditions, such as being classified as barren land. A larger planting pit should be dug and filled with fertile soil procured from an external, more suitable location. This approach will provide a more appropriate environment for tree growth and health.

4. **Prepare the soil**: Clear the planting area of weeds, grass, and debris. Choose the soil to a depth of at least 12 inches to help the plants' roots establish. If necessary, mix in compost or organic matter to improve soil fertility. Take a picture of this step.

5. **Dig the pit**: Dig a pit that is 2 or 3 times wider than the plant's root ball and just as deep. This will help the roots spread and establish themselves. Ensure an adult supervises the activity and takes a picture of each step to upload to the Google form.

6. **Remove the tree sapling from its container**: Gently remove it if it has a container or plastic wrapping. If the roots are tightly bound, carefully choose them to help them grow outward.

7. **Place the sapling in the Pit**: Carefully place the tree sapling in the centre of the pit. Ensure the root ball's tap is level with or slightly above the soil to prevent water-logging. Take pictures of this tab.

8. **Backfill the pit**: Fill the pit with the soil gently. What are the soil conditions to help settle it around the roots? Take a picture after completing this step.

9. **Water the plants**: What plants are appropriately watered after planting? This helps settle the soil and provide essential moisture to the roots.

10. **Mulch around the plant:** Apply a layer of mulch (dried leaves, straw, etc.) around the face of the plant, extending out to the drip line. Mulch helps retain moisture, regulate soil temperature, and suppress weeds. Keep the mulch a few inches away from the plant to prevent rot.

11. **Protect the plant from grazing**: If you have planted the tree in areas within the reach of grazing animals, ensure the plant is protected using eco-friendly twigs, bamboo sticks, etc., around it. After completing this step, take a picture of the plant.

12. We may spend a little time each and every day with the planted saplings – **to observe them, to feel them and to understand**. Surely, it has something to tell us. As a guardian it is our gentle duty to give voice to its silence, to convey its quite whispers into the expression of heart- be it a poem, a verse, a slogan, a song, a painting or a creative form that speak to our soul. Let's adorn the plant with your creation and share GPS-tagged photographs of this living artwork with us.

13. **Stake the plant if necessary**: If it is in a windy area or has a weak stem, stake it for support. Use soft ties to secure the plant to the stakes, allowing some movement to encourage strong trunk growth.

14. **Water regularly**: Ensure the plant receives regular watering during the first few years, until it establishes its root system.

15. **Monitor and maintain**: Monitor the plant's health and growth. Remove dead or damaged branches and look for signs of pests or diseases. Continue to water and milk as needed. Take pictures of your tree every week to record the progress.

The following steps will help your plant grow into a healthy and thriving part of the landscape. Make sure to take pictures of the tree at every step.

Precautions to be followed while planting:

1. **Wear appropriate clothing**: Use long sleeves and sturdy shoes to protect against thorns and insects.

2. **Be mindful of allergies**: If you are allergic to plants or insects, take necessary precautions, such as using insect repellent or wearing protective clothing.

3. **Respect wildlife**: Be aware of and respect any wildlife you may encounter during planting.

4. **Seek supervision**: If you are unsure about any aspect of tree planting, seek guidance from your teacher or someone experienced to ensure safety and proper techniques.

5. **Avoid over-watering**: Ensure proper drainage to prevent water-logging, which can suffocate roots.

6. **Handle roots carefully**: Beat gentle panhandling roots to avoid damaging them, as healthy roots are crucial for the tree's survival.

7. **Avoid planting too deep**: Plant the tree at an appropriate depth so the root collar is slightly above ground level, as planting too deep may lead to root decay.

8. **Protect against wildlife**: Use tree guards or fencing to protect young plants from grazing animals such as cows, goats, rabbits, etc.

9. **Use of manure/fertilizers**: Children should be encouraged to use manure or compost instead of chemical fertilizers, as they are natural and can harm trees and the surrounding environment.

10. **Monitor growth**: regularly inspect the tree for signs of stress, disease, or pest infection to take appropriate action promptly.

11. **Practice good hygiene**: Wash your hands thoroughly after handling soil or plants to remove any potential contaminants.

PROCEDURE FOR FILLING GOOGLE FORM

Filling up Google Form is very easy. You need to have a Gmail account for filling this Google form.

1. Once you have a working Google ID (Gmail), you can open any browser and copy/ type the following URL into browser:

   https://forms.gle/Zc1ud5ydHLksvaqYA

2. Click on fill out form on the front page.
3. This will take you to Section 1 where you will have to enter the Gmail ID and other student information to proceed further.

Data Submission Form - RAS 2025
डाटा प्रस्तुति फॉर्म

The name and photo associated with your Google account will be recorded when you upload files and submit this form. Your email is not a part of your response.

desmncertras2025@gmail.com

Instructions| निर्देश

Click on the following link and go through the PDF carefully before proceeding further | आगे बढ़ने से पहले, नीचे दिये लिंक पर क्लिक करें तथा PDF को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

Guideline

Help | सहायता

Checkout announcement section on ncert.nic.in for all the updates regarding RAS 2025

For any assistance/help, kindly email us at desmncertras2025@gmail.com | RAS 2025 के बारे में अधिक जानकारी के लिए ncert.nic.in पर घोषणा अनुभाग देखें। किसी भी तरह की सहायता के लिए हमें desmncertras2025@gmail.com पर ई-मेल करें।

The name, email, and photo associated with your Google account will be recorded when you upload files and submit this form

* Indicates required question

Poster of Tree Plantation Drive for ***Rashtriya Avishkar Saptah 2025-26***

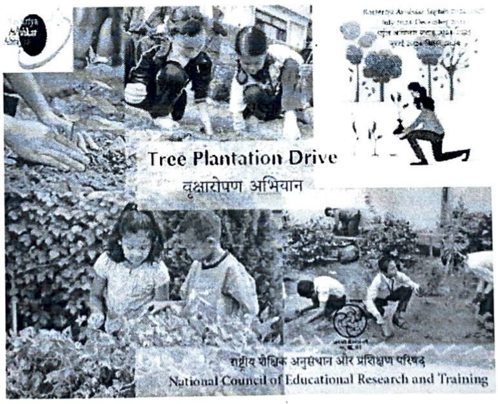

E-mail *

Your answer

Name of the Student *

Your answer

Class of the Student *

Choose

Next

Clear form

4. After clicking on Next button, you will be taken to Section 2 of the Form, where you have to fill your State, District and School details like School Name, Address etc.

School Details | विद्यालय विवरण

State/Union Territory | राज्य/केंद्र शासित प्रदेश *

Choose

City / शहर *

Your answer

Name of District | जिला का नाम *

Choose

Block/Town/Sector, Where School is located| ब्लॉक/शहर/सेक्टर, जहाँ स्कूल स्थित है। *

Your answer

Select the type of your school ?/अपने विद्यालय का प्रकार चुनें? *

Choose

Name of School | विद्यालय का नाम *

Your answer

UDISE Code | यूडाइस कोड *

Your answer

Is your school a PM Shri school? / क्या आपका विद्यालय पी.एम. श्री स्कूल है? *

- ◯ Yes
- ◯ No
- ◯ I don't know

PIN Code | पिन कोड *

Your answer

Locality of School (Urban/Semi-urban/Rural) | विद्यालय का स्थान (शहरी/अर्ध-शहरी/ ग्रामीण) *

- Rural | ग्रामीण
- Semi-urban | अर्ध-शहरी
- Urban | शहरी

Name of Principal of School /Head of School | विद्यालय के प्रधानाध्यापक/ संचालक का नाम *

Your answer

Name of Teacher(s) involved in guiding the activities | क्रियाकलापों के समय मार्गदर्शन करने वाले अध्यापक/ अध्यापकों का नाम *

Your answer

Designation of Teacher(s) involved in guiding the activities | क्रियाकलापों के समय मार्गदर्शन करने वाले अध्यापक/अध्यापकों का पद *

Your answer

Back Next Clear form

5. After clicking on Next button, you will proceed to Section 3 of the Form. In this section, you have to fill the data for Activity

Activity/गतिविधि

Select the 1st sapling for tree plantation/ वृक्षारोपण के लिए पहला पौधा चुनें *

Choose

Activity / गतिविधि

Select the 2nd sapling for tree plantation/वृक्षारोपण के लिए दूसरा पौधा चुनें *

Choose

Activity/गतिविधि

Select the 3rd sapling for tree plantation/वृक्षारोपण के लिए तीसरा पौधा चुनें *

Choose

Back Next Clear form

Activity/गतिविधि

Was the soil prepared for sapling of tree plantation ?/क्या वृक्षारोपण के लिए मिट्टी तैयार की गई थी? *

- [ ] Yes
- [ ] No

What was the source of collection of saplings for the tree plantation?/वृक्षारोपण के लिए पौधे एकत्र करने का स्रोत क्या था? *

- ◯ Forest Department/वन विभाग
- ◯ Local nursery /स्थानीय पौधशाला
- ◯ Neighbourhood/आसपास
- ◯ Nearby forest/निकटवर्ती वन
- ◯ Others/अन्य

What was the area selected for tree plantation?/वृक्षारोपण के लिए कौन सा क्षेत्र चुना गया? *

- ◯ School premises/विद्यालय परिसर
- ◯ Neighbourhood/आसपास
- ◯ Public Place/सार्वजनिक स्थान
- ◯ Other:

To whom in your family, you would like to dedicate this plantation?/आप अपने परिवार में किसको यह पौधारोपण समर्पित करना चाहेंगे? *

- ◯ Grand Mother / Mother
- ◯ Grand Father / Father
- ◯ Other:

Photograph of sapling plantation along with student's (Note: Use GPS-tagged Photo)/विद्यार्थी के साथ पौधारोपण की तस्वीर (नोट: जीपीएस-टैग फोटो का उपयोग करें) *

Upload 1 supported file: image. Max 1 MB

Add file

Back **Submit** Clear form

6. After this, you have to click on Submit button to finally submit your Form.

Note: You can check your responses again by clicking on the Back button before making Final submission. No changes can be made after Final submission of the Form.

Data Submission Form - RAS 2025
डाटा प्रस्तुति फॉर्म

Your response has been recorded.

Submit another response

12. After submission, a message will be received "Your response has been recorded".

13. After this, you may close the window/ tab of your web browser.

Department of School Educatio & Literacy
Ek Ped Maa Ke Naam2.0 under the aegis of
Eco Clubs for Mission LiFE

Action Plan:

1. **Target:**

Students to plant saplings / seedlings in the school / road leading to school / home/ appropriate public place to achieve the target of 10 crore plantations from 05.06.2025 to 30.09.2025.

2. **Implementation Strategy:**

The campaign will be implemented in three phases as follows:

Phase 1: Preparatory Phase (01.05.2025 – 04.06.2025)

- Formation of District level committees headed by DM/DC for plantation drive (in urban, rural areas) comprising DEOs/DFOs/PRIs/ULBs/School Principals/SMCs/ prominent members of Civil Society for overall coordination and monitoring of the campaign.
- State level Nodal Officer to be appointed to facilitate smooth and effective coordination. At the District level, DEO to serve as the single point of contact.
- Comprehensive analysis of the number of seedlings required for plantation at the school level. To be compiled at Block / District levels. **(Approx. 10 crore saplings required)**
- Mapping of nurseries, selection of fruit-bearing, floral and medicinal seedlings based on local agro-climatic conditions and ecological benefits, assessment of availability of seedlings required by each State/UT by DEOs in consultation with DFOs/RDD/Horticulture Department etc. (**State-wise agro-climatic plant species may be planted**)
- Identification of plantation venue by DEOs in consultation with DFOs/PRIs/ ULBs. Eg: school campus, road leading to school, home, public space eg. space around Amrit Sarovars.
- Development of Nurseries in NVS/KVS and other landed schools of the State/UT Governments for future campaigns – this activity to go on alongside the Ek Ped Maa Ke Naam campaign for one year and thereafter.
- Sharing age-appropriate modules on "Ek Ped Maa Ke Naam" by Department for further circulation to schools along with animated video on Ek Ped Maa Ke

Naam and quiz on environment. This module will provide insights about importance of environmental sustainability, plant species, post plantation care and survival etc.

Phase 2: Implementation Phase (05.06.2025 to 30.09.2025)

- DFOs to visit secondary schools during morning assemblies for talks / sessions, emphasizing the significance of environmental conservation, addressing climate crisis and importance of tree plantation.
- Saplings to be planted collaboratively by students and their mothers. This will strengthen the bond between student and their mother and Mother Earth.
- Saplings planted to be accompanied by a placard displaying the name of the student and their mother.
- Students to upload selfies of the tree plantation activity on microsite hosted on Eco Clubs for Mission LiFE. (details will be shared soon)
- A QR code may be generated for every separate species of tree planted to generate digital expertise for dissemination of botanical knowledge.
- Amplification of the campaign through digital/social media platforms of States / UTs/ ABs / Departments etc. to encourage wider participation and awareness.

Phase 3: Post Plantation Phase

- Saplings planted to be taken care of and nurtured by students under the supervision/guidance of teacher in-charge of Eco Clubs for Mission LiFE.
- Post plantation survey by DFOs and DEOs to assess survival of the saplings planted

*****

सत्यमेव जयते

Government of India

(Tanmay Kumar) **Secretary** **Ministry of Environment, Forest and Climate Change**	**(Sanjay Kumar)** **Secretary** **Department of School Education & Literacy, Ministry of Education**
(Vineet Joshi) **Secretary** **Department of Higher Education Ministry of Education**	**(Debashree Mukherjee)** **Secretary** **Department of Water Resources, River Development and Ganga, Rejuvenation Ministry of Jal Shakti**
(V. Umashankar) **Secretary** **Ministry of Road Transport & Highways**	**(Vivek Bhardwaj)** **Secretary** **Ministry of Panchayati Raj**
(Srinivas Katikithala) **Secretary** **Ministry of Housing & Urban Affairs**	**(Shailesh Kumar Singh)** **Secretary** **Department of Rural Development Ministry of Rural Development**

No. 4-1/2025 NAEB
May 16, 2025

Dear Chief Secretary,

On the occasion of World Environment Day on 5th June 2024, Hon'ble Prime Minister launched the campaign *"Ek Ped Maa Ke Naam/ Plant4Mother"* by planting a sapling at Buddha Jayanti Park in New Delhi. This initiative, which encourages the citizens to plant a tree as a mark of love, respect and honour for their own Mother and Mother Earth,

struck a deep emotional and cultural chord across the country while raising awareness about MissionLiFE, sustainable living and other environmental issues. The enthusiastic public response has reaffirmed and reinforced our collective commitment to environmental conservation and community participation. In furtherance of these objectives and building upon the momentum of last year's campaign, "*Ek Ped maa Ke Naam 2.0*" is being launched across the country on World Environment Day - 05.06.2025 as a nationwide movement.

2. The campaign is envisioned as a 'Whole of Government and 'Whole of Society' initiative with multi departmental and multisectoral coordinated and convergence approach and its success hinges critically on proactive leadership and coordinated action at the national, state and local levels.

3. The tree plantation drive under the campaign is scheduled to be implemented mainly by the schools across the country under the aegis of Eco Clubs for MissionLiFE from 05.06.2025 to 30.09.2025 coinciding with the plantation seasons across different agro-climatic regions of the country. Colleges, Universities and other institutions of higher learning will also be involved in this campaign. To ensure transparency and citizen engagement, all plantation activities will be documented as was done last year, through the MeriLiFE portal. (https://merilife.nic.in/). Necessary directions in this regard may be issued to all the Collectors, Departments, Institutions and Organisations in the State to ensure that the data regarding the plantation is uploaded on this portal. For plantations in schools, the data will be captured through a microsite on the Eco Clubs for MissionLiFE portal of Department of School Education & Literacy (DOSEL) and accordingly with the MeriLIFE portal (https://merilife.nic.in/) of MoEFCC.

4. Besides the plantation by the schools, it is proposed to carry out plantation by the State Forest Department and other Agencies under Ek Ped Maa Ke Naam 2.0 campaign as was done last year under Ek Ped Maa Ke Naam campaign launched by Hon'ble PM on the occasion of World Environment Day on 5th June, 2024 and to also upload the details of the same on MeriLIFE portal (https://merilife.nic.in/).

5. The proposed campaign also aims to align with key national programs such as MGNREGA, Jal Shakti Abhiyan, Swachh Bharat Mission, Smart Cities Mission, and the National Green Highways Mission. This convergence is expected to bring synergy in resource utilization, outreach, and on-ground impact besides active participation of line departments.

6. The current year's Jal Shakti Abhiyan: Catch The Rain-2025 (JSA:CTR-2025) campaign also focuses on undertaking plantation/afforestation in water catchment areas, recognizing their pivotal role in sustaining the hydrological cycle. This campaign emphasises carrying out plantation activities along water bodies, catchment areas,

riverbanks, canal bunds, recharge zones, and around **Amrit Sarovars** to support water conservation, rejuvenation of traditional water bodies, and ecological restoration.

7. Indicative focus areas of the campaign in the States/UTs are listed below:

a. **Proposed Sites for tree plantation**:

   i. Plantations may be taken up with active involvement of students within and around school/college premises, degraded forest land or common lands as identified by the State/UT for this purpose.

   ii. Plantation activities may also be promoted at popular destinations, heritage sites, and pilgrimage centres across the State/UT. Along with this the integration of eco conscious messaging of the campaign theme on various digital platforms needs to be done with meticulous engagement of stakeholders for campaign outreach and successful plantation events.

   iii. In the urban areas this campaign may be promoted by identification of plantation sites, such as in parks, green belts, Nagar Van Areas and public spaces under the programs like Smart Cities, Atal Mission for Rejuvenation & Urban Transformation (AMRUT), National Urban Livelihood Mission (NULM) and Swachh Bharat Mission with the mobilisation of Urban Local Bodies (ULBs) to promote community plantation as part of Urban Planning and beautification drives.

   iv. Identified plantation sites along and on the medians of National Highways, State Highways, major district roads and other roadways may be identified for taking up and integrating plantation drives under ongoing infrastructure and green corridor projects.

   v. Plantation activities may be undertaken along water bodies, catchment areas, riverbanks, canal bunds, recharge zones, and around Amrit Sarovars to support water conservation, rejuvenation of traditional water bodies, and ecological restoration.

b. **Source of saplings:** Nurseries are developed and maintained by different Departments in the Districts under different Government programmes. The saplings for the campaign may be made available from the nurseries of the Forest Department as well as those of the Horticulture Department, Urban Local Bodies, Corporations etc. The respective nodal officials of the concerned departments may be contacted for providing saplings for the campaign.

c. **Social Media Campaign:** Integration of eco-conscious messaging of the campaign theme on various digital / social media platforms may be done with meticulous engagement of stakeholders for maximizing outreach and successful plantation events.

d. In urban areas, mobilization of Urban Local Bodies (ULBs) may be undertaken to organize community plantation drives and integration of plantation goals into urban planning and

beautification efforts. Women Self Help Groups may be involved to undertake plantation activities, maintenance and survival monitoring through AMRUT Mitra initiative under AMRUT 2.0 in convergence with NULM. Furthermore, Operation and Maintenance (O&M) projects related to waterbodies and urban parks may be taken up to mitigate urban heat island effect, enhance long term sustainability, ecological balance and community engagement. Micro forests (Miyawaki) technique (brief concept enclosed as **Annexure-I**) may be adopted to create micro-forests in Urban areas.

e. In rural areas, Gram Panchayats may leverage MGNREGS and rural development schemes for land preparation, sapling planting, and maintenance, particularly in degraded lands along with plantation in vacant community lands and areas under their jurisdiction, within the overall framework of Mahatma Gandhi NREGA. In addition, the promotion of plantation activities along the river banks, around *Amrit Sarovars,* canals, and water catchment areas to aid conservation and rejuvenation may be focussed upon by the relevant departments.

f. Gram panchayats / Urban local bodies may be mobilised to play a proactive role in identifying community lands, carrying out plantations in coordination with schools, and ensuring long-term care and monitoring of saplings.

8. To facilitate effective coordination, we request you to designate a **State -level Nodal Officer** and set up a District Plantation Committee in each District under the chairpersonship of the District Collector/District Magistrate/Deputy Commissioner for smooth implementation and coordination across departments. Further, all relevant departments and field offices may be advised to align their efforts with the campaign objectives.

9. **Post Plantation Care/Survey:** It is extremely important to ensure high survival percentage of the saplings planted not only as part of last year's campaign but also the campaign to be undertaken this year. For this, your State/UT may devise a standardized protocol for maintenance of not only the saplings planted last year but also for those to be planted in the current year, and set up a system of regular review with all the concerned departments, alongside the campaign for this year. This may be carried out through the above-mentioned District Plantation Committee.

10. It is requested that a coordination meeting may be taken at your level with all the concerned officers and agencies for drawing up an Action Plan regarding efficient and effective implementation and monitoring of the *Ek Ped Maa ke Naam 2.0* campaign as well as to inter-alia arrive at the target of Micro forests (Miyawaki) plantation sites and the total number of saplings to be planted in each district within the State/UT in the rural and urban areas. The key elements of the proposed Action Plan is enclosed in the form of Google Sheet at **Annexure II.**

11. It is requested that the aforesaid detailed Action Plan including the information regarding total number of saplings to be planted by the school children and other agencies and the number of Micro forests (Miyawaki) sites to be created within the State as part of the campaign may kindly be submitted by **25th May, 2025.**

12. The nodal officer for the aforesaid campaign within the Ministry, Shri Kamal Jeet Singh, Deputy Inspector General of Forests (Mobile number: 8126682238; email id: bh210@ifs.nic.in) may be contacted for any clarification in this regard.

13. Through "*Ek Ped Maa Ke Naam 2.0*" we rededicate ourselves to the cause of not only sensitizing the younger generation to sustainable development but also making them active participants in greening mother earth. We are confident that under your dynamic leadership, "*Ek Ped Maa Ke Naam 2.0*" would be implemented successfully to not only honour the spirit of motherhood but to also reinforce our national commitment towards environmental protection and sustainability.

14. Looking forward to your active participation and cooperation in making the campaign a resounding success.

With regards,

Encls.: As above

Yours sincerely,

(Tanmay Kumar)
Secretary
Ministry of Environment, Forest and Climate Change

(Sanjay Kumar)
Secretary
Department of School Education & Literacy, Ministry of Education

(Vineet Joshi)
Secretary
Department of Higher Education
Ministry of Education

(Debashree Mukherjee)
Secretary
Department of Water Resources, River Development and Ganga, Rejuvenation Ministry of Jal Shakti

(V. Umashankar)
Secretary
Ministry of Road Transport & Highways

(Vivek Bhardwaj)
Secretary
Ministry of Panchayati Raj

(Srinivas Katikithala)
Secretary
Ministry of Housing & Urban Affairs

(Shailesh Kumar Singh)
Secretary
Department of Rural Development
Ministry of Rural Development

To

The Chief Secretaries of all States/UTs and Advisors to the Administrator of UTs

Annexure-I

Concept Note

Creation of Micro-Forests *(Miyawaki)* in Urban Areas

1. Introduction

Micro Forests are to be promoted in small urban landscapes, to grow dense, fast-growing, native forests. This should be popularized to maximise flow of ecosystem services in the limited spaces available in our urban areas, to combat ill effects of rapid urbanization, pollution, and deforestation by restoring biodiversity and improving air quality.

2. Objectives

a) Rejuvenate degraded urban land and improve ecological balance.
b) Promote biodiversity by planting native species.
c) Increase green cover in urban areas to combat heat islands.
d) Encourage community participation in sustainable development.

3. Procedure and Methodology

- Site Selection of small or unused patches of land in urban, semi-urban, or rural areas.
- Surveying the local forest fragments and identifying the PNV (Potential Natural Vegetation) tree species that are best suited to the conditions.
- Determine the forest community structure i.e. identifying the main canopy and tree layer species and selecting companion species based on their compatibility with the key species. This is assessed by looking at local indigenous vegetation and analysis of forest structures elsewhere in the world.
- Soil Survey to be conducted to help decide on the type of mulch and soil nutrients required.
- Seeds to be collected from local trees to grow seedlings or obtain seedlings of local variants of tree species.
- Mulch made from local materials to be applied to protect and nourish the seedlings. This simulates the protection offered by humus/leaf litter in a natural forest. At the same time, the soil and the seedlings to be treated with soil improvers or a mycorrhizal improver.
- Planting of the seedlings randomly and at high density say 20,000 to 30,000 per hectare instead of 1,000 per hectare, or 3–5 saplings per square meter with stakes for support.
- Regular watering and keeping the site weed free for the first 2 years is a must after which the forest becomes self-sustaining.

4. **Benefits**: It leads to rapid forest growth (10x faster than conventional methods). It supports local wildlife and enhances carbon sequestration. It requires minimal space and long-term maintenance. It can be community-driven and suitable for CSR and government projects. Benefits are categorized below:

   a) Environmental: Increases oxygen production, reduces CO_2, improves air and water quality.
   b) Ecological: Enhances biodiversity, restores local flora and fauna.
   c) Social: Educates communities, especially youth, about sustainability and nature.
   d) Economic: Low maintenance cost after initial years, potential for eco-tourism and urban resilience.

5. **Implementation in India:** Cities like Delhi, Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, and Chennai have adopted this model through municipal corporations, NGOs, schools, and resident welfare associations. Support from CSR funds and government initiatives like Smart Cities Mission have been instrumental in creation of such micro forests in Urban areas.

6. **Best examples:** Two success stories of creation of similar forests in India are as below-

   a) **Govind Nagar, Vadodara**: In Govind Nagar, Gujarat, an encroached Area within the Vadodara Municipal Corporation Land has been reclaimed and turned into a Biodiversity Park through raising of micro forests. Here 29,000 multi species trees were planted on 26th October 2024 near the river but on rocky terrain.

   b) **National Security Guard (NSG) Campus, Manesar**: The campus was earlier dominated by invasive Vilayati Kikar (*Prosopis juliflora*) leading to depletion of the ground water and hindered growth of native indigenous species. To address the issue, a "Rehabilitation Plan" was made which aimed to restore balance to the ecosystem by clearing the invasive Vilayati Kikar (*Prosopis juliflora*) from the selected sites and replacing it with beneficial native species to revitalize the land with indigenous plants that promote biodiversity and ecological health. In the selected site, an overall of 32,567 nos. of Native species plants and 20,000 nos. *Bambusa Balcooa* were planted and ultimately the treated site in the campus was turned into a green area with reclaimed biodiversity.

7. The nodal officer for the aforesaid matter within the Ministry, Shri Sachin Gupta, Assistant Inspector General of Forests (Mobile number: 9899237803; email id: ap224@ifs.nic.in) may be contacted for any clarification in this regard.

***

Annexure-II: Details of plantations to be taken up in the States and UTs under Ek Ped Ma ke Naam 2.0

Sl no.	Name of State and UTs	Name, Designation, Mobile No. and email id of the State Nodal Officer	Namr of the District	Plantations by Schools									Plantations by organisations other than schools									Grand Total (no. of seedlings)
				Micro Forest (Miyawaki) Plantation						Regular plantations (other than Miyawaki) (No.of seedlings)			Micro Forest (Miyawaki) Plantation						Regular plantations (other than Miyawaki) (No.of seedlings)			
				Urban		Rural		Total		Urban	Rural	Total	Urban		Rural		Total		Urban	Rural	Total	
				No. of sites	No of seedlings	No. of sites	No of seedlings	No. of sites	No of seedlings				No. of sites	No of seedlings	No. of sites	No of seedlings	No. of sites	No of seedlings				
1																						
2																						
3																						
4																						
5																						
....																						
....																						
....																						

Please use the below-mentioned Link for the Google sheet created for providing details of plantations to be taken up:

https://docs.google.com/spreadsheets/d/1-gEqu3abO4pmldALUuJqG_VwBCD87cqOazECDbxBjlw/edit?usp=drivesdk

F.No. 8-11/2025-EE.12(EcoClub)
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy
***

Shastri Bhavan, New Delhi
Dated:- 21st May, 2025

To,

1. Director, NCERT
2. Chairperson, CBSE
3. Commissioner, NVS
4. Commissioner, KVS
5. Chairperson, NIOS
6. Director, NBB for implementing in NBB

Subject:- Tree Plantation Drive under "Ek Ped Maa Ke Naam 2.0" Campaign on the occasion of World Environment Day – reg.

Ma'am/Sir,

I am directed to forward herewith a joint D.O. from eight Secretaries to the Government of India regarding launch of tree plantation drive under "Ek Ped Maa Ke Naam 2.0" campaign to be launched on 05.06.2025 on the occasion of World Environment Day.

2. For plantation in schools, the data will be captured through a microsite on the Eco Clubs for Mission LiFE portal (https://ecoclubs.education.gov.in/) of DoSE&L. Action Plan in this regard is also enclosed herewith for your ready reference.

3. It is requested that all schools under your jurisdiction may be suitably advised for smooth conduct of the campaign and facilitate its reporting and monitoring.

Yours faithfully

Encl. as above

Surendra Kumar
21-5-2025
(Surendra Kumar)
Under Secretary to the Govt. of India
Tele. No. 23383935

ਰਾਜ ਵਿਦਿਅਕ ਖ਼ੋਜ ਅਤੇ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰੀਸ਼ਦ ਪੰਜਾਬ
ਪੀ.ਐਸ.ਈ.ਬੀ. ਕੰਪਲੈਕਸ, ਵਿੱਦਿਆ ਭਵਨ, ਬਲਾਕ-ਈ, ਛੇਵੀਂ ਮੰਜਿਲ, ਫੇਜ਼-8, ਐਸ.ਏ.ਐਸ.ਨਗਰ, ਮੋਹਾਲੀ
ਈਮੇਲ: directorscert@punjabeducation.gov.in, ਫੋਨ ਨੰ: 0172-2212221

ਵੱਲ,

ਸਮੂਹ ਜ਼ਿਲ੍ਹਾ ਸਿੱਖਿਆ ਅਫ਼ਸਰ (ਸੈ.ਸਿੱ)
ਪੰਜਾਬ।

ਮੀਮੋ ਨੰ.- 192/GDC/2025 ਮਿਤੀ – 10/02/2025

ਵਿਸ਼ਾ- Instructions for Uploading Pictures Regarding Rashtriya Avishkar Saptah 2024-25

ਹਵਾਲਾ- Department of Education in Science and Mathematics, NCERT ਦੇ ਪੱਤਰ ਨੰ. F.No.Prog No-3/PAB-RAS/2024-25/DESM ,ਮਿਤੀ 28.01.2025 ਸਬੰਧੀ।

1.0 ਉਕਤ ਵਿਸ਼ੇ ਵੱਲ ਧਿਆਨ ਦੇਣ ਦੀ ਖੇਚਲ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ।

2.0 ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਆਪ ਸਭ ਨੂੰ ਪਤਾ ਹੈ ਕਿ Rashtriya Avishkar Saptah (RAS) 2024-25 ਤਹਿਤ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਕਰਵਾਈਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ਜਿਸ ਦੀਆਂ ਤਸਵੀਰਾਂ ਸਕੂਲਾਂ ਵੱਲੋਂ NCERT ਦੁਆਰਾ ਭੇਜੇ ਜਾਂਦੇ Google form ਰਾਹੀਂ ਸਾਂਝੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ।

3.0 ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ RAS ਸਬੰਧੀ ਕਰਵਾਈਆਂ ਜਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਦੀ ਸਬਮਿਸ਼ਨ ਦੀ ਪ੍ਰਮਾਣਿਕਤਾ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨੂੰ ਹਦਾਇਤ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਕਿ ਫ਼ੋਟੋਆਂ ਨੂੰ GPS CAMERA APP ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਗੁਗਲ ਫਾਰਮ ਤੇ ਅਪਲੋਡ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਜੋ ਕਿ ਫ਼ੋਟੋ ਵਿੱਚ ਜਗ੍ਹਾ, ਮਿਤੀ ਅਤੇ ਸਮੇਂ ਦੀ ਸਹੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਐਪ Play store 'ਤੇ ਉਪਲੱਬਧ ਹੈ, ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਡਾਊਨਲੋਡ ਕਰਨ ਦਾ ਲਿੰਕ https://play.google.com/store/apps/details?id=com.gpsmapcamera.geotagginglocationonphoto&hl=en_IN&pli=1 ਹੈ।

ਨੱਥੀ- ਹਵਾਲਾ ਪੱਤਰ

ਸਹਾਇਕ ਡਾਇਰੈਕਟਰ,
ਐੱਸ.ਸੀ.ਈ.ਆਰ.ਟੀ,ਪੰਜਾਬ।

F. No. Prog No-3/PAB-RAS/2024-25/DESM

Department of Education in Science and Mathematics, NCERT

Date:28.01.2024

Subject: **Instruction for Uploading Pictures Regarding Rashtriya Avishkar Saptah 2024-25 (RAS).**

Dear Sir/Madam,

It has come to our attention that doctored photographs have been submitted as evidence of participation in the Google form of RAS. Such actions are not only unethical but also undermine the principles of integrity and transparency, which are fundamental to this programme.

Rashtriya Avishkar Saptah (RAS) aims to foster genuine environmental awareness and encourage active participation in sustainability efforts. To ensure the authenticity of submissions moving forward, it is requested that photographs be uploaded to the Google form using the **GPS CAMERA App**, which provides information about the date, time, and precise location of the place in the photograph.

This app is available on the Google Play Store, and the link for downloading it is as follows: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.gpsmapcamera.geotagginglocationonphoto&hl=en_IN&pli=1

All SCERTs and school authorities are advised to take note of this matter and implement the necessary measures.

We appreciate your cooperation in upholding the integrity and transparency of this programme.

Regards.

28/01/2024

(Dr. Sunita Farkya)
Professor & Head, DESM

As per list